1 यहुन्ना

जिन्दगी केर वचन

1 वहि जिन्दगी के वचन के बारे मा जउन आदि ते
होत रहैं, जेहिका हम सुनिन, अउर जेहिका
अपने आँखिन ते देखन अउर जेहिका हम बहुत
निगाह कइके देखेन; अउर हाथन ते छूएन। [2](ई
जिन्दगी परगट भइल, अउर हम उहिका देखेन, अउर
वहिका बयान देयत हय, अउर तुमका उइ अनन्त
जिन्दगानी कय खबर देइत रह, जउन बाप के साथै रहै
अउर हमरे ऊपर परगट भइल) [3]जउन कछु हम देखेन
अउर सुनेन वहिका समाचार तोहिका बतावत हई, यहि
खातिर तुमऊ हमरे सभन मा भागीदारी निभावा; अउर
हमार इ भागीदारी बाप के साथन, अउर वहिके लरिका
यीसु मसीह के साथ मा हय। [4]अउर ई खबर हम ई
खातिर लिखित हई कि हमार आनन्द पूर होइ जाय।

जोति मा चली

[5]जउन खबर हम वहिते सुनें, अउर तोहिका सुनावत
हई, ऊ ई आय, कि परमेसुर परकास हंय; अउर
वहिमा तनिकउ अन्धकार नाहीं। [6]ई हम कहीं, कि
वहिके साथ हमार सहभागिता हय, अउर वहिके
बादिउ मा हम अन्धियारे मा चली, तउ हम झूठा
आयं, अउर सत प नाहीं चलत। [7]ई बात अहैं,
जइसन ऊ जोति मा हय, वइसन हमऊ जोति मा
चली तउ एक दूसर ते भागीदारी राखत हय, अउर
वहिका लरिका यीसु कय लहू हम लोगन के सब
पाप ते सुद्ध करत हय।

[8]यदि हम कही, हममा कउनउ पाप नाहीं, तउ
जाना अपने आप का धोखा देत हई, अउर हमरे
अन्दर सत् नाहीं। [9]यदि हम अपन पाप का मान लेई,
तउ ऊ हमरे पाप का माफ करै मा अउर हमैं सब
अधरमन ते सुद्ध करय मा विसवासु योग्य अउर
धरमी हय। [10]यदि ई कहीं कि हम पाप नाहीं किहेन
तउ वहिका झूठा ठहरावत हय, अउर वहिके वचन
हमरे अन्दर मा नाई हय।

2 हे हमरे लरिकों, हम ई बात तोहिका यहि खातिर
लिखत हइ कि तुम पाप न करौ: अउर यदि
कउनउ पाप करै: तउ बाप के पास हमार एक
सहायक हय ऊ हय धारमिक यीसु मसीह। [2]अउर
उहै हमरे पाप कय परासचित हय: अउर केवल
हमरेन नाहीं, वरन सारे संसार कय पापौ।

[3]यहि हम वहिकी आग्या मानीं, तउ वहिते हम जानि
जाब कि हम वहिका जानि गये हन। [4]जउन कउनउ ई
कहत हय, कि हम ओका जानि गये हन अउर वहिकी
आग्या नाहीं मानत, ऊ झूठा हय, अउर वहिमा सत
नाहीं। [5]पर जे कउनउ वहिके वचन प चले, वहिमा सच्चै
परमेसुर के पिरेम सिद्ध हुवा हय: हम क यहि ते जान
परत है, कि हम वहिमां हन। [6]जउन कउनउ ई कहत हय
कि हम वहिमां बना रहित हय, वहिका चाही कि आपहूं
वइसेइ चलय जइसन ऊ चलत रहै।

[7]हे पियारो हम तोहिका कउनउ नई आग्या नाहीं
लिखित पर वहै पुरान आग्या जउन सुरु मा तुमका
मिलल हय: ई पुरान आग्या ऊ वचन हय, जेहिका
तुम सुने हव। [8]फिर हम तुइका नई आग्या लिखित है
औ ई तो वहिमां अउर तुममा सच ठहरत हैं काहे ते
अनिहार मिटत जात हय अउर सत कय परकास
अबहिन चमकय लागि हय।

[9]जउन कउनऊ ई कहत है, कि हम परकारस मा
हन, अउर अपन भाई ते दुस्मनी राखत है, ऊ
अबहिन तक अन्धियारे मा हय। [10]जउन कउनउ
अपने भाइन ते पिरेम राखत हय, ऊ परकास मा रहत
हय, अउर ठोकर नाहीं खाय सकत। [11]पर जउन
कउनउ अपने भाई ते बैर राखत है ऊ अन्धियारे मा
हय अउर अन्धियारे मा चलत हय, अउर नहीं मालुम
कहां जाय हय, काहे ते अन्धियारु ते वहिकी आँखन
का आंधर कय देहिस हय।

[12]हे लरिकौ, हम तुम का एहि खातिर लिखित
हय कि वहिके नाम ते तुम्हार पाप माफु हुवे।

[13]हे पितरों, हम तोहका येहि खातिर लिखत हय, कि

जउन आदि ते हय तुम वहि का जानत हौ: हे जवानव, हम तुमका इसलिए लिखत हय, कि तुमने ऊ दुस्टन जय पाई हय, हे लरिकौ, हम तोहका तुम्हरे लिए एहि खातिर लिखे हन, कि तुम बाप का जानि गयो हव।

14हे पितरो, हम तुम्हें एहि खातिर लिखेन हन कि जउन आदि ते हय तुम वहिका जानि गये हौ, हे नव जवानउ हम तुमका एहि खातिर लिखे है, कि तुम बलवान हौ, अउर परमेसुर केर बवचन तुमका बना रहत हय, अउर तुमने वाहे दुस्ट पा जय पाई हय।

संसार ते पिरेम नाहीं राखयौ

15तुम न तउ ई संसार अउर न संसार म कय कउनउ चीज ते पिरेम राखौ: यहि कउनउ संसार ते परेम राखत हय, तउ वहिमा बाप कय परेम नाहीं हय। 16काहे ते जउन कछु संसार म हय, अरथात सरीर कय अभिलासा, अउर आँखन कय अभिलासा, औ जिविका का घमंड, ऊ बाप की तरफ ते नाहीं, वरन संसारै केर तरफ ते हय। 17अउर संसारु अउर वहिकी अभिलासाएं दूनौ खतम होत जात हय, पर जउन परमेसुर कय इच्छा पर चलत हय, ऊ हमेसा बना रहत हय।

मसीह कय विरोधी केर चेतावनी

18हे लरिकौ, ई आखिरी समय हय, अउर जइसन तुम सुने हव, कि मसीह कय विरोधी आवै वाला हय वहिके मुताबिक अबहूं बहुत मसीह के विरोधी उठे हैं, इससे हम जातिन है, ई आखिरी समय हय। 19उइ निकरेन तउ हमरेन मा से, पर हमरे मा कय रहेन नाहीं, काहे ते यदि हमरे मा कय होते, तउ हमरे साथ मा रहतेन, पर निकरि येहि खातिर गयेन कि ई परगट होय कि ऊ सब हमरे मा का नाहीं हय।

20अउर तुम्हार तौ ऊ पवित्तर ते अभिसेक भवा हय, अउर तुम सब कुछु जानत हव। 21हम तुमका यहि खातिर नहीं लिखेन, कि तुम सत्य का नाहीं जानत, पर एहि खातिर, कि वहिका जानत हौ, अउर येहि खातिर कउनउ झूठ सत्य की ओर ते नाहीं। 22झूठा कौन हय? केवल ऊ जउन यीसु के मसीह होवै ते इन्कार करत हय, अउर मसीह कय विरोधी हय जउन बाप का अउर बेटवा का इन्कार करत हय। 23जउन कउनउ बेटवा का इन्कार करत हय वहिके पास बापौ नाहीं, जउन बेटवा केर मान लेत हय, वहिके पास बापौ हय।

24जउन कुछ तुम सुरु ते सुने हव, उहै तुममा बना रहै, जउन तुमहूं सुरु ते सुनेव हव यहि ऊ तुममा बना रहय, तौ तुम भी बेटवा म, अउर बाप म बने रहियों। 25अउर जेहिकी वहु हमते परतिग्या किहिस, ऊ अनन्त जीवन हय।

26हम ई बात तुमका वहिके बारे मा लिखित हइ, जउन तोहिका बहकावत हय। 27अउर तुम्हार ऊ अभिसेक, जउन वहिकी तरफ ते कीन गवा, तुम मा बना रहत हय, अउर तुम का एहि कय परियोजन नाहीं, कि कउनउ तोहे सिखावे, वरन जइसेन ऊ अभिसेक जउन वहिकी तरफ ते कीन गवा तुमका सब बात सिखावत हय, अउर ई सच्चा हय, अउर झूठ नाहीं: अउर जइसेन ऊ तोहका सिखाइस है, वइसेनइ तुम वहिमा बने रहत हौ।

परमेसुर केर बेटवा

28निदान, हे लरिकौ वहिमा बने रहो, कि जब ऊ परगट होय, तउ हमका हियाब होय, अउर हम वहिके आवे पर वहिके सामने सरमिन्दा न होई।

29यहि तुम जानत हौ कि ऊ धारमिक हय, तउ इहौ जानत हौ, कि जउन कउनउ धरम कय काम करत हय, ऊ उहिसे जनमा हय।

3 द्यखौ, बाप हमते कइसेन पिरेम किए हय, कि हम परमेसुर कय संतान कहलाई, अउर हम हमहूँ उहि का एहि कारन ते संसार हमका नाहीं जानत काहे ते उहिका वहू नाहीं जानिस उहिमौ नाहीं जानिस। 2हे पियारो अबहिन हम परमेसुर कय सन्तान हई, अउर अब तलक ई परगट नाहीं भवा कि हमका कछु होवै। इतना जानित है कि जब ऊ परगट होई तब हमहूं वहिके समान होवै, काहे ते कि वहिका वइसेन देखबै जइसेन ऊ हय। 3अउर जउन कउनउ उइपे ई आसा राखत हय, ऊ अपने आप का वइसने पवित्तर करत हय, जइसेन ऊ पवित्तर है।

4जउन कउनउ पाप करत हय, ऊ बेवस्था कय विरोध करत हय, अउर पाप तौ बेवस्था का विरोध हय। 5अउर तुम जानत हौ, कि ऊ एहि खातिर परगट भवा, कि पापन का हरि लइ जाए; अउर वहिके स्वभाव मा पाप नाहीं। 6जउन कउनउ वहिमा बना रहत हय, ऊ पाप नाहीं करत: जउन कउनउ पाप करत हय, ऊ न तो वहिका देखिस है, अउर न वहिका जानिस हय।

7हे लरिकौ, केहू के बहकावै मा न आयौ, जउन धरम कय काम करत हय वहै वहिकी नाई धरमी हय। 8जउन कउनउ पाप करत हय, उइ सैतान की तरफ ते हय, काहे ते सैतान सुरुवै ते पाप करत आवा हय, परमेसुर कय बेटवा येहि खातिर परकट भवा कि सैतान कय कामन का नास करय। 9जउन

कउनउ परमेसुर ते जनमा हय ऊ पाप नाहीं करत, काहे ते वहिके बीज वहिमा बना रहत हय; अउर ऊ पाप करि नाहीं सकत, काहे ते परमेसुर ते जनमा हय। 10यही ते परमेसुर कय सन्तान, अउर सैतान कय सन्तान जानि जात हय, जउन कउनउ धरम कय काम नाहीं करत, ऊ परमेसुर ते नाहीं, अउर न जउन ऊ अपने भाइन ते परेम राखत।

एकु दूसर ते परेम राखो

11काहे ते कि जउन समाचार तुम सुरु ते सुना, ऊ ई हय कि हम एक दूसर ते पिरेम राखी। 12अउर कउनउ के समान न बनी, जे ऊ दुस्ट ते रहै, अउर जेहिने अपने भाई कै घात किहिस: अउर वहिका केहि कारन घात किहिस? एहि कारन कि वहिके काम गलत रहैं, अउर वहिके भाई कय काम धरम कय रहय। 13हे भाइयों, यदि संसार तुमसे दुसमनी करत हय तौ अचम्भा न करेव। 14हम जानित है, कि हम मौत ते पार हुइ के जीवन मा पहुंच हैं काहे ते हम भाइयन ते पिरेम राखित हैं; जउन पिरेम नाहीं राखत, उइ मौत की दसा मा रहत हय। 15जउन कउनउ अपने भाइन ते बाइर राखत हय, ऊ हत्यारा हय, अउर तुम जानत हौ, कि कउनउ हत्यारा मा अनन्त जीवन नाहीं रहत।

16हम पिरेम इनही ते जानें, कि उइ हमरे खातिर आपन परान दइ दिहिस, अउर हमहूं का अपने भाइयन खातिर परान देइ का चाहीं। 17मुला जउन कउनउ के पास संसार कय संपत्ति होय अउर ऊ अपने भाइन का कंगाल देखि के वहि पा तरस न खायेक चाहय, तउ वहिमा परमेसुर कय पिरेम कइसेन बना रहि सकत हय? 18हे लरिकौ, हम बवचन अउर जीमिन ते नाहीं पर काम अउर सांच केर दुआरा भी परेम करी। 19इही ते हम जनबै, कि हम सत्य कय हयं अउर जउन बात मा हमार मन हमका दोस देई, वहिके बारे मा हम उहिके सामने अपने—अपने मन मा ढाढ़स देई सकिब। 20काहे ते कि परमेसुर हमरे मन ते बड़ा हय, अउर सब कुछ जानत हय।

21हे पिरेमियों यदि हमार मन हमका दोस न देय, तउ हमका परमेसुर के सामने हियाब होत है। 22अउर जउन कछु हम मांगति है, ऊ हमका वहिते मिलि जात है, काहे ते कि हम वहिका आग्या मानित है, अउर जउन वहिका भावत है उहै करित है। 23अउर उइकी आग्या ई है कि हम उकय बेटवा यीसु मसीह के नाम पे विसवासु करी अउर जइसेन ऊ हमका आग्या दिहन है उहिके मुताबिक आपस म पिरेम राखी। 24अउर जउन उहिके आग्या का मान है, ऊ एहिमां, अउर ई वहिमा बना रहत है; अउर इहि से, मतलब वहि आतमा ते जे ऊ हमका दिहिस है, हम जानित है, कि ऊ हममा बना रहत है।

आतमन कौ जांचौ

4 हे पियारों, हर एकु आतमा कय परतीति न करौ: मुला आतमन कौ जांचौ कि ऊ परमेसुर की ओर ते है की नाहीं, काहे ते कि बहुत ते झूठे नबी संसार मा निकल परेन है। 2परमेसुर कय आतमा तुम यहि तना ते पहिचानु सकत हौ, कि जउन कउनउ आतमा मानि लेत है, कि यीसु मसीह सरीर मा होई के आवा है ऊ परमेसुर की तरफ ते है। 3अउर जउन कउनउ आतमा यीसु का नाहीं मानत, ऊ परमेसुर की तरफ ते नाहीं, अउर उहै मसीह कय विरोधी केर आतमा है, जेहि कय चरचा तुम सुनि चुकेउ हउ, कि ऊ आवै वाला है, अउर अबहूं जगत मा है।

4हे लरिकौ, तुम परमेसुर कै हौ अउर तुमने उइ पय जय पाई है, काहे ते कि जउन तुममा है, ऊ वहिते जउन संसार मा है, बड़वार हय। 5वइ संसार कै है यहि कारन उइ संसारु की बात बोलत है, अउर संसार उनकइ सुनत है। 6हम परमेसुर कय हइं: जउन परमेसुर का जानत है, ऊ हमार सुनत है, जे परमेसुर को नाई जानत ऊ हमार नाहीं सुनत, इहि तना हम सत की आतमा अउर भरम की आतमा का पहिचान लेइत है।

परमेसुर केर पिरेम हमते

7हे पियारो, हम आपस मा पिरेम रक्खै, काहे ते कि पिरेम परमेसुर ते है, अउर जउन कउनउ पिरेम करत है, ऊ परमेसुर ते जनमा है, अउर परमेसुर का जानत है। 8जउन पिरेम नाहीं राखत, ऊ परमेसुर का नाहीं जानत, काहे ते कि परमेसुर पिरेम है। 9जउन पिरेम परमेसुर ने अपने इकलउते बेटवा का संसार मा भेजिस है, कि हम वहिते जीवन पावैं। 10पिरेम यहिमा नाईं, कि हम परमेसुर ते पिरेम केहेन, पर यहिमा है, कि ऊ हमते पिरेम किहिस, अउर हमरे पापन के छुटकारे के खातिर अपने लरिका का भेजिस। 11हे पियारो, जब परमेसुर हमते अइसने पिरेम किहिस, तउ हमहूं का भी आपस मा पिरेम रक्खे का चाहीं। 12परमेसुर का कबहूं केहू नाई देखिस, यदि हम आपस मा पिरेम राखी, तउ परमेसुर हममा बना रहत है, अउर वहिका पिरेम हममा सिद्ध होइ गवा है।

13इहि ते हम जानित हैं, कि हम वहिमा बने रहित है, अउर ऊ हममा, काहे ते कि ऊ अपनी आतमा ते हमका दिहिस है। 14अउर हमने द्याख लीन है अउर

गवाही देइत है कि बाप ने बेटवा कै संसारु कय उद्धारकरता कइ के भेजिस है। 15जउन कउनउ ई मानि लेइत है, कि यीसु परमेसुर कय बेटवा हयं, परमेसुर वहिमा बना रहत है, अउर ऊ परमेसुर मा। 16अउर जउन पिरेम परमेसुर हमते राखत है, वहिका हम जानि गये, अउर हम वहिकी परतीती हइं, परमेसुर पिरेम है अउर जे पिरेम मा बना रहत है, ऊ परमेसुर मा बना रहत है, अउर परमेसुर वहिमा बना रहत है। 17इहि ये पिरेम हममां सिद्ध भवा, कि हमका नियाव कै दिन हियाब होय, काहे ते कि जइसेन ऊ है, वइसन ही संसारु मा हमहूं हंय। 18पिरेम मा डर नाहीं होत, मुला सिद्ध पिरेम भय का दूर कइ देत है, काहे ते कि डर ते तकलीफ होत है, अउर जउन कउनउ डेरात है, ऊ पिरेम मा सिद्ध नाहीं भवा।

19हम एहि खातिर पिरेम करित है कि पहिलेउ हमते पिरेम किहिस। 20यदि कउनउ कहै, कि हम परमेसुर ते पिरेम राखति है, अउर अपने भाइन ते बैर राखय, तउ ऊ झूठा है: काहे ते कि जे अपने भाइन ते जेहिका ऊ देखिस है, पिरेम नाहीं राखत, तउ ऊ परमेसुर ते भी जेहिमा नाहीं देखिस, पिरेम नाहीं राखि सकत।

21अउर उइ ते हमका ई आग्या मिली हय कि जउन कउनउ परमेसुर ते पिरेम राखत है, ऊ अपने भाइन ते भी पिरेम राखय।

परमेसुर के बेटवा पई बिसवासु

5 जेहिका ई विसवासु है कि यीसुइ मसीह है, ऊ परमेसुर ते पैदा भवा है, अउर जउन कउनउ पइदा करइ वाले ते पिरेम राखत है, ऊ वहिते भी पिरेम राखत है, जउन वहिते पैदा भवा है। 2जब हम परमेसुर ते पिरेम राखति हैं, अउर वहिकी आग्या का मान है, तउ इही ते हम जानित है, कि परमेसुर केर सन्तानन ते पिरेम राखति है। 3अउर परमेसुर कय पिरेम ई है, कि हम वहिकी आग्या का मानी: अउर ऊ के आग्या कठिन नाहीं। 4काहे ते कि जउन कछु परमेसुर ते पइदा भवा है, ऊ संसार पै जय पावत है, अउर ऊ जीत जउने ते संसार पै जय मिलत है हमार बिसवासु है। 5संसार पा जय पावै वाला कउन है? केवल ऊ जेहिका ई विसवासु है कि यीसु परमेसुर कब बेटवा है।

6इहै है ऊ जउन पानी अउर खून ते आवा रहै; अरथात यीसु मसीह ऊ न केवल पानी ते, मुला पानी अउर खून दुइनों ते आवा रहा। 7अउर जउन गवाही देत है, ऊ आतमा है, काहे ते कि आतमा सांच है। 8अउर गवाही देय वाले तीनउ है, आतमा, अउर पानी अउर लहू, अउर तीनौ एकइ बात प सहमत है। 9जब हम मनईन कय गवाही मानि लेइत है, तउ परमेसुर कय गवाही ई है, कि ऊ अपने बेटवा के बारे मा गवाही दिहिस है। 10जउन परमेसुर कय बेटवा पा विसवासु करत है, ऊ खुद ही मा गवाही। राखत है, जउन परमेसुर कय परीतीति नाहीं किहिस, ऊ वहिका झूठा ठहराइस काहे ते कि ऊ उहिके गवाही पा विसवासु नाहीं किहिस, जउन परमेसुर अपने बेटवा के बारे मा दिहिन हैं। 11अउर ऊ गवाही ई है, कि परमेसुर हमका अनन्त जीवन देहे हैं, अउर ई जिन्दगानी वहिके बेटवा मा है। 12जेहिके पास बेटवा है वहिके पास जिन्दगानी है अउर जेहिके पास परमेसुर कय बेटवा नाहीं, वहिके पास जिन्दगानिउ नाहीं है।

आखरी वचन

13हम तुमका जउन परमेसुर कय बेटवा के नाम प विसवासु करत है, यहि खातिर लिखित है कि तुम जावौ, कि अनन्त जिन्दगानी तोहार है। 14अउर हमका वहिके सामने जउन हियाब होत है, ऊ ई है कि यदि हम वहिकी इच्छा मुताबिक कछु मांगति है, तउ ऊ हमार सुनत है। 15अउर जब हम जातन है, कि जउन कछु हम मांगति है ऊ हामर सुनत है, तो इहौ जानति है, कि जउन कछु हम ओहिते मागें ऊ पाइ गये।

16यदि कउनउ अपने भाई का अइसेन पाप करत द्याखै, जेहिके फल न होय, तब विनती करै, अउर परमेसुर, वहिते, वहिके खातिर जे अइसेन पाप किहिस है जेके फल मउत न होय, जीवन देय, पाप अइसौ होत है जेके फल मउत है, यहिके बारे मा हम बिनती करै का खातिर नाहीं कहित। 17सब परकार कय अधरम तौ पाप है मुला अइसेनौ पाप है जेहि के फल मउत नाहीं।

18हम जानित है कि जउन कउनउ परमेसुर ते पइदा भवा है ऊ पाप नाहीं करत, पर जउन परमेसुर ते पैदा भवा ऊ ओका बचाए रहत है, अउर ऊ दुस्ट ओका छुइ नाहीं पावत। 19हम जातिन है, कि हम परमेसुर ते हंई, अउर पूरी दुनियां ऊ दुस्ट के बस मा पड़ा है। 20अउर इहौ जानत है कि परमेसुर कय बेटवा आय गवा है अउर उहिने हमका समझ दिहिन है कि हम ऊ सच्चे का पहिचान, अउर हम वहिमा जउन सच हैं अरथात वहिके बेटवा यीसु मसीह मा रहत हैं: सच्चा परमेसुर अउर अनन्त जिन्दगानी इहै है।

21हे लरिकों, अपने आप का मूरति ते बचाए राखौ।